राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

क्रमांकः F.1(3)RB/2020/ 602 दिनांकः–27अगस्त 2020

कार्यवाही विवरण

माननीय कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 24.06.2020 को राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक राजभवन से ऑनलाइन एप द्वारा आयोजित की गई।

बैठक में राज्य के सभी वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने विश्वविद्यालयों से ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। (संलग्न क)

सचिव, राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं बैठक की संरचना से अवगत कराया।

बैठक के आरंभ में माननीय कुलाधिपति महोदय ने कुलपतियों को संबोधित किया। अपने संवाद में माननीय कुलाधिपति महोदय ने विद्यार्थियों के प्रति चिंता जताते हुए देश एवं राज्य में बेरोजगारी के आंकड़े प्रस्तुत किये एवं कोविड की इस चुनौती को अवसर के रूप में ग्रहण करने के लिए सभी कुलपतियों का आह्वान किया।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा कुलपतियों से मुख्यतः परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन, परिणाम एवं आगामी सत्र में प्रवेश के साथ–साथ अध्ययन–अध्यापन की रूपरेखा एवं रिक्त पदों की स्थिति पर चर्चा करने के लिए कहा।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा प्रत्येक विश्वविद्यालय को शीर्ष ''रेग्यूलेटरी एजेंसी'' (ICAR, UGC, AICTE आदि) द्वारा सुझाये किसी भी विकल्प के अन्तर्गत अपने विश्वविद्यालय की सक्षम निकाय से अनुमति प्राप्त कर विधिक रूप से विश्वविद्यालय की स्वतंत्रता व स्वायत्तता के अनुरूप परीक्षा एवं मूल्यांकन करवाने के लिये अधिकृत किया।

इस संदर्भ में उनके द्वारा बताया गया कि राजभवन द्वारा गठित ''टास्क फोर्स'' द्वारा समय–समय पर अनुशंसायें की जाती है जो सभी कुलपतियों के साथ साझा कर यह अपेक्षा की जाती है की ''टास्क फोर्स'' द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों को विश्वविद्यालय संदर्भ बिन्दु मानकर उनका क्रियान्वयन करेंगे।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा संवाद के दौरान सभी कुलपतिगण को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि ''ऑफलाइन'' परीक्षा करवाने के दौरान–

- परीक्षा केन्द्र में ''सेनेटाइजेशन'' की समुचित व्यवस्था हो
- विद्यार्थियों की ''थर्मल स्केनिंग'' की जावे
- परीक्षा पारियों के मध्य केन्द्र को ''सेनेटाइज'' किया जाये
- कोरोना से ग्रसित विद्यार्थियों के लिये स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किये जायें
- स्थानीय प्रशासन एवं मेडिकल विभाग से पूर्ण समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय प्रशासन किसी भी विषम परिस्थिति के लिये तैयार रहे तथा सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सुरक्षा प्रदान की जाये।

माननीय कुलाधिपति महोदय ने अपने उद्‌बोधन के दौरान कुलपतियों को मुख्यतः निम्नलिखित बिन्दुओं पर निर्देशित किया–

- विश्वविद्यालय प्रवेश के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर समय सीमा में प्रवेश की प्रक्रिया आरम्भ करे ताकि अध्ययन और अध्यापन का कार्य समय से शुरू करवाया जा सके।
- विश्वविद्यालय पूर्व की भांति ऑनलाइन शिक्षण पर ध्यान केन्द्रित करें एवं उत्कृष्ट श्रेणी का ''ई–कन्टेंट'' शिक्षकों द्वारा तैयार करा, वेबसाईट पर अपलोड कराये जिससे ''ई–कन्टेंट'' की ''क्रॉस लर्निंग'' को भी विश्वविद्यालयों के बीच बढावा दिया जाये।
- रिक्त पदों पर नियुक्ति की स्थिति का उल्लेख करें एवं यह प्रयास करे कि विधिक बाधाओं को दूर कर सारे स्वीकृत पदों को शीघ्र भरा जा सके।
- IUMS लागू कर राज्य में एक ''इन्टीग्रेटेड पोर्टल'' बनाये जिससे सभी विश्वविद्यालयों को एक ''डेशबोर्ड'' पर लाया जा सके।
- अपने परिसर में ''संविधान उद्यान'' का निर्माण कर उसमें ''संविधान स्तम्भ'' बनवायेंगे जिससे विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर भारतीय संविधान की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके।
- विश्वविद्यालय पार्क के सन्दर्भ में ऐसा प्रस्ताव राजभवन को प्रेषित करे जो नवाचार प्रदर्शित करता हो, नवीन तकनीक पर आधारित हो एवं ज्ञानवर्धक हो।
- विश्वविद्यालय द्वारा एक गांव गोद लिये जाकर सामाजिक दायित्व के कार्य का निर्वहन किया जाए।
- विश्वविद्यालय परिसर में तीन काम विशेष तौर पर कराये जाए जिससे जल व ऊर्जा के क्षेत्र में प्रत्येक विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर बन सके
    - ''सोलर पैनल्स'' का खुली छतों पर स्थापना
    - ''वाटर हार्वेस्टिंग'' सिस्टम, एवं
    - जल एवं ऊर्जा की ''ऑडिट'' ।

उद्बोधन के अंत में माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा यह अपेक्षा की गई कि सभी कुलपतियों को दी गई जिम्मेदारी को वह पूर्ण निष्ठा से पूरी कर कसौटी पर खरे उतरेंगे।

तत्पश्चात सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण द्वारा अपने विचार रखे गये–

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को जानकारी दी गई कि–

- राजस्थान विश्वविद्यालय में परीक्षार्थियों की अधिक संख्या (5.25 लाख) के कारण ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन करवा पाना विश्वविद्यालय के लिए संभव नहीं है।
- उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन परीक्षकों द्वारा कराया जायेगा और परीक्षा समाप्ति पर प्रयास यही रहेगा कि एक महीने या डेढ़ महीने के अन्दर निश्चित रूप से परिणामों को घोषित कर दिया जाये।
- आगामी सत्र में प्रवेश हेतु प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष में और द्वितीय वर्ष से तृतीय वर्ष में तथा सैकेण्ड सेमेस्टर से तृतीय सेमेस्टर में प्रोविजनल उत्तीर्ण करने के लिये पुनः प्रवेश की कार्यवाही 18 जून 2020 से प्रारंभ कर दी गई है और इसे 30 जून 2020 तक पूरा कर लिया जायेगा और सम्पूर्ण प्रवेश का कार्य विश्वविद्यालय में ''इन्फोनेट सेंटर'' द्वारा ऑनलाइन किया जायेगा।
- अशैक्षणिक पदों के बारे में विश्वविद्यालय में 1780 पद स्वीकृत हैं अभी जिनमें रिक्त पद 869 हैं उनके लिये राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने पर उनका चयन मैरिट के आधार पर कर उनको नियुक्ति दे दी जायेगी।
- विश्वविद्यालय में संविधान उद्यान तथा संविधान स्तम्भ का सिण्डीकेट एजेण्डा आइटम बनां दिया गया है, और सिण्डीकेट की स्वीकृति ली जाकर राजभवन के निर्देशानुसार इसे पूर्ण कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय पार्क के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक कमेटी बनाई गई है, तथा नव ग्रह वन का प्रस्ताव बनाकर के कमेटी द्वारा प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत रू. 57 करोड़ की राशि विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई है। कोविड–19 में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा 95 लाख रूपये की राशि का योगदान मुख्यमंत्री सहायता कोष में कर दिया गया है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय की जानकारी में लाया गया कि–

- "आरयूएचएस" जनसेवा का कार्य कर रही है, एवं केन्द्र को पूर्ण रूप से कोविड सेंटर बना दिया गया है जिसमें करीब 300 डॉक्टर्स कोविड के मरीजों का इलाज कर रहे हैं। अस्पताल में 1924 मरीज भर्ती हुए हैं और स्वस्थ होकर जो काफी संख्या में डिस्चार्ज हो चुके हैं।
- "आरयूएचएस" द्वारा परीक्षा ऑफलाइन/ऑनलाइन दोनों प्रकार से ली जा रही है।
- ऑनलाइन अध्यापन के लिये सभी को निर्देश दे दिये गये हैं, और जितने भी संबद्ध कॉलेज हैं वो इसकी पालना सुचारू रूप से कर रहे है।
- अजमेरीपुरा गांव में प्रथम चरण में तालाब को गहरा कराये जाने तथा पाल निर्माण, वृक्षारोपण, मल्टीपरपज सेंटर का निर्माण किया गया।
- द्वितीय चरण में गोद लिये वाटिका गांव की दोनों तलाईयों की गहराई का काम चालू है, साफ–सफाई और पक्की दीवार/पाल का निर्माण भी कियां जा रहा है।
- सोलर सिस्टम समस्त कैम्पस तथा महाविद्यालयों में लगवाये जायेंगे।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं प. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

कुलपति महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि–

- कृषि विश्वविद्यालय में सभी सेमेस्टर पूर्ण हो गये है और परिणाम घोषित कर दिया गया है।
- अध्ययन, अध्यापन विश्वविद्यालय द्वारा ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों तरह से किया जा रहा है। विषयों से संबंधित प्राध्यापक चिन्हित कर लिये गये है तथा अध्यापन के लिये ऑनलाइन की तैयारी की जा रही हैं।
- विश्वविद्यालय में 1058 पद शैक्षणिक व अशैक्षणिक पद स्वीकृत है जिनमें से 529 पद भरे हुए हैं, एवं राज्य सरकांर से 205 पदों की स्वीकृति मिल गई है। अशैक्षणिक पदों और उनका रोस्टर तैयार कर लिया गया है।
- विश्वविद्यालय के पास IUMS से संबंधित एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है जो नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजूकेशन से (रू. 23.88 करोड़) प्राप्त हुआ है, जिसके तहत स्नातक स्तर पर वर्चुअल क्लासरूम एवं ऑनलाइन शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा कराई जा सकेगी।

* विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासनिक भवन के सामने भूमि को संविधान उद्यान हेतु चिन्हित कर राजभवन के दिशा निर्देशानुसार कार्य शुरू कर दिया गया है।
* राजभवन में विश्वविद्यालय पार्क हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्ताव प्रेषित कर दिये गए हैं।
* विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को टिड्डीदल के लिए जागरूक किया जा रहा हैं, एवं गोद लिये गये गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है एवं वृक्षारोपण किया जा रहा हैं। विश्वविद्यालय द्वारा "Doubling of Farmer's Income" पर गांव में काम किया जा रहा हैं।

प. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

माननीय कुलाधिपति महोदय को एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी देते हुए कुलपति द्वारा बताया गया कि–

* विश्वविद्यालय में वाणिज्य संकाय की परीक्षाऐं सम्पन्न हो गई हैं, तथा परिणाम घोषित किये जा चुके हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय से कोई कॉलेज संबद्ध नहीं है एवं छात्र भी नहीं हैं।
* संविधान उद्यान के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई हैं तथा राजभवन के दिशा निर्देशों के अनुरूप उद्यान का निर्माण किया जायेगा।
* विश्वविद्यालय में 30 पद स्वीकृत हैं परन्तु सभी पद रिक्त होने के कारण उनको भरने की प्रक्रिया अपनाई जा रही हैं।
* सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की तर्ज पर कार्य करने का विनिश्चय भी किया गया।

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

कुलपति महोदया द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को जानकारी दी गई कि–

* विश्वविद्यालय में ऑफलाइन परीक्षायें कराया जाना ही संभव है। विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में ऑनलाइन परीक्षायें कराये जाने के लिये पर्याप्त संसाधन अभी उपलब्ध नहीं हैं।
* विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्री प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष एवं आचार्य प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को क्रमोन्नत कर एक अगस्त से शिक्षण प्रारंभ किया जायेगा। प्रवेश हेतु विषयवार कमेटियों का गठन कर दिया गया है। सत्र 2020–21 में नवीन प्रवेश प्रक्रिया 10 जुलाई 2020 से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रारंभ की जायेगी।

- रिक्त पदों के संबंध में रोस्टर रजिस्टर तैयार करने का कार्य प्रक्रियाधीन है, और अगले 15 दिन में रोस्टर तैयार कर दिया जायेगा। तैयार रोस्टर नियमों के अन्तर्गत राज्य सरकार से परीक्षण उपरान्त विश्वविद्यालय स्तर पर सक्षम अनुमोदन उपरान्त भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित कर ली जायेगी, संस्कृत विश्वविद्यालय में 131 स्वीकृत पदों में से 54 कार्यरत है एवं 77 पद रिक्त हैं।
- संविधान उद्यान बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन मई माह में ही कर दिया गया था तथा उपयुक्त स्थान भी चिन्हित कर RSRDC द्वारा निर्माण की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।
- राजभवन परिसर में विश्वविद्यालय पार्क हेतु ज्योतिष एवं वास्तु से संबंधित कार्य प्रस्तावित किया गया है। राजभवन द्वारा उपलब्ध क्षेत्रफल से अवगत कराये जाने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।
- गोद लिये गये गांव में सामाजिक उत्तरदायित्व में विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 महामारी के बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में समुचित कार्यवाही की जा रही है।

कुलपति महोदया द्वारा स्थाई रजिस्ट्रार नियुक्त करने का आग्रह किया गया।

राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय, जयपुर

राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा अवगत कराया गया कि–

- 23 मार्च 2020 को लॉकडाउन लागू होने के साथ ही 67 संबद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानों को ऑनलाइन टीचिंग शुरू करने के निर्देश प्रदान किये एवं तकरीबन 40 प्रतिशत संस्थानों द्वारा वर्तमान में ऑनलाइन अध्यापन किया जा रहा है।
- परीक्षा के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को अगले स्तर पर क्रमोन्नत किया जा रहा है एवं सभी संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि संस्था द्वारा यूजीसी एवं टास्क फोर्स के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत अगस्त से अक्टूबर माह के मध्य परीक्षा करवा ली जाये।
- मूल्यांकन के परिपेक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनस्क्रीन मूल्यांकन पद्धति (OSES) के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है, एवं तुरन्त ही छात्रों को एसएमएस के द्वारा परिणाम सूचित किया जाता है।
- विश्वविद्यालय द्वारा गांव गोद लिया गया है, एवं कोविड–19 के प्रति ग्रामवासियों में जागरूकता संदेश दिया गया। नेवटा ग्राम को एक आदर्श स्किल गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- जयपुर–सीकर हाईवे पर विश्वविद्यालय को दौलतपुरा गांव में जेडीए द्वारा भवन निर्माण हेतु 23.96 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटन का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज

दिया गया है। जिसमें भूमि अवाप्ति के पश्चात विश्वविद्यालय का जो सेंट्रल पार्क होगा उसे संविधान उद्यान के रूप में RSRDC के माध्यमं से विकसित किया जायेगा।

- विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन में बनाये जाने वाले विश्वविद्यालय पार्क के लिये एक वर्किंग मॉडल/पैनोरमा "हुनरमंद राजस्थान" बनाया जायेगा। जिसके अन्तर्गत पूरे राजस्थान के आर्ट एण्ड क्राफ्ट का एक रोचक प्रदर्शन राजभवन परिसर में किया जायेगा जिसके लिये राजस्थान पूरे विश्व में विख्यात है। विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि किस प्रकार राजस्थान के आर्ट एण्ड कल्चर को **Propogate, Promote and Preserve** किया जाये एवं वर्किंग मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया जाये।
- शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों के क्रम में यूजीसी के अनुसरण में छः शैक्षणिक पद एवं अशैक्षणिक पदों की अनुशंसा राज्य सरकार को भेज दी गई है। राज्य सरकार से जैसे जैसे विश्वविद्यालय को वित्तीय संसाधन प्राप्त होंगे उसी अनुरूप विश्वविद्यालय का निर्माण एवं चयन प्रक्रिया की जावेगी।
- विश्वविद्यालयों को राज्य सरकार द्वारा पचपदरा गांव में रिफाइनरी के नजदीक 30 एकड़ भूमि "एनर्जिक कैम्पस" विकसित करने के लिये दी है। वहां पांच स्कूल बनाये जायेंगे क्रमशः "स्कूल ऑफ थर्मल एनर्जी", "स्कूल ऑफ हाइड्रोकार्बन एनर्जी", "स्कूल ऑफ सोलर एनर्जी", "स्कूल ऑफ विन्ड एनर्जी" एण्ड "स्कूल ऑफ फ्यूल एनर्जी"। इस सबके साथ एक उस कैम्पस का जो सेन्ट्रल पार्क होगा वह भी संविधान उद्यान होगा इस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा दो संविधान उद्यानों का निर्माण करवाया जाना प्रस्तावित है।
- राजभवन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय 15 एमओयू कर चुका है जिसमें से पांच एमओयू एडवांस स्टेज पर है एवं सभी वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के साथ संभवतः 30 जून तक एमओयू कर लिये जायेंगे।
- सभी विश्वविद्यालय एवं राजकीय महाविद्यालयों में स्किल डवलपमेंट के पाठ्यक्रम चलाये जाकर नये सत्र से पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जा सकेंगे।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं दूरसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर

कुलपति पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा कुलाधिपति महोदय को यह सूचित किया गया कि–

- विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम तैयार कर आवश्यक मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। विश्वविद्यालय को जेडीए द्वारा अजमेर रोड़ पर जमीन दी गई है। उसके शिलान्यास तथा बाउन्ड्रीवॉल के लिये पांच करोड़ रूपया स्वीकृत कर दिया है तथा जल्दी ही भवन निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

- उत्तरपुस्तिकाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन करवाकर परीक्षा समाप्ति के चार सप्ताह में परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।
- रिक्त पदों की स्वीकृति के संबंध में राज्य सरकार द्वारा दो चरणों में अलग–अलग स्वीकृति भेजी है तथा जल्दी ही विज्ञापन निकालकर भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जायेगी।
- भवन का निर्माण हो जाने पर विश्वविद्यालय की भूमि पर संविधान उद्यान का निर्माण कराया जायेगा।
- राजभवन में विश्वविद्यालय पार्क हेतु मॉडल की रूपरेखा विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन को भेज दी गई है जिसमें महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक जैसे महान् व्यक्तित्व एवं पत्रकारों की एक संग्रह दीर्घा तैयार करने का प्रस्ताव है।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति द्वारा जानकारी दी गई कि–

- विश्वविद्यालय में 9 जुलाई 2020 से यूजी व पीजी फाइनल वर्ष की परीक्षायें ऑफलाइन मोड में ली जावेंगी। आगामी सत्र में प्रवेश ऑनलाइन मोड़ द्वारा 22 जून 2020 से प्रारम्भ कर दिये गये है, एवं विद्यार्थियों को प्रवेश मेरिट के आधार पर बारहवी कक्षा का परिणाम आने के पश्चात् दिया जा सकेगा। छात्रों द्वारा फीस व अंकतालिका इत्यादि ऑनलाइन ही जमा की जावेगी तथा रिजल्ट ओएमआर शीट के आधार पर परीक्षा होने के एक माह के भीतर घोषित कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक पद 657 हैं जिनमें से 359 पद रिक्त है। अशैक्षणिक 801 कुल स्वीकृत पद है 268 पद रिक्त है। स्वीकृत पदों को रोस्टर तैयार कर राज्य सरकार के अनुमोदन हेतु भेजा जा चुका है, वहां से स्वीकृति प्राप्त होते ही चयन की प्रक्रियां प्रारम्भ कर दी जायेगी।
- संविधान उद्यान एवं राजभवन में विश्वविद्यालय पार्क स्थापित करने हेतु सिण्डीकेट से अनुमति प्राप्त कर प्रस्ताव शीघ्र ही प्रेषित कर दिया जाएगा।
- गोद लिये गांव में नोडल अधिकारी के माध्यम से दिये गये दिशानिर्देशों की पालना की जाकर सेनेटाईजेशन, मास्क इत्यादि का वितरण किया जा रहा है, तथा नाटक मंचन से भी ग्रामवासियों को कोविड से बचने के उपाय समझाये जा रहे है।
- जल संरक्षण का कार्य भी विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव में जुलाई में प्रारंभ किया जाएगा, तथा सोलर सिस्टम, वाटर हार्वेस्टिंग तथा प्लांटेशन का कार्य प्रगति पर है।

- विश्वविद्यालय द्वारा मई माह से पेंशनर्स को पेंशन नहीं दिये जाने को विश्वविद्यालय की मुख्य समस्या बताया इसके लिये माननीय कुलाधिपति महोदय से राज्य सरकार द्वारा पेंशन की समस्या के निस्तारण हेतु राज्य सरकार को निर्देशित किये जाने का आग्रह किया गया।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि–

- विश्वविद्यालय में परीक्षायें 9 जुलाई से प्रारम्भ कर दी जायेगी तथा मूल्यांकन परीक्षकों के द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं को उनके निवास पर भेजकर करवा लिया जायेगा तथा अंको को सीधे ही ऑनलाइन फीड कराकर जल्दी ही परिणाम घोषित कर दिये जायेंगे।
- अगले सत्र के लिये सभी संकाय सदस्यों को विषयवार ई–कन्टेन्ट बनाने के लिये निर्देशित किया गया है।
- विश्वविद्यालय में 42 स्वीकृत पद रिक्त हैं जिनके लिये रोस्टर प्रणाली के तहत राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाया गया है।
- संविधान उद्यान का कार्य पूर्व कुलपति द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया था, वह कार्य इसी सप्ताह पूर्ण भी हो गया है एवं राजभवन में स्थापित किये जाने वाले विश्वविद्यालय पार्क की स्वीकृति 30 जून को बोर्ड की मीटिंग में ले ली जावेगी।

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति महोदया द्वारा अवगत कराया गया कि–

- कोविड–19 को देखते हुए वार्षिक परीक्षा ऑफलाइन की जाएगी। प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष में उनके पिछले अंको के आधार पर विद्यार्थियों को प्रमोट किया जायेगा।
- आगामी सत्र की प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारम्भ कर दी है। समस्त कक्षाएं ऑनलाइन है एवं सभी विषयों के नोट्स तैयार करा कर वेबसाईट पर अपलोड कर दिये गये है।
- विश्वविद्यालय में शैक्षणिक 34 पद स्वीकृत है जिनमें 11 पद रिक्त है। विश्वविद्यालय को एक यूनिट मानते हुए रोस्टर तैयार कर राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया गया है।
- संविधान उद्यान के लिये भी विश्वविद्यालय द्वारा जमीन चिन्हित कर दी गई है, तथा उस पर निर्देशानुसार कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जावेगी।

- विश्वविद्यालय पार्क के संबंध में ''क्लाइमेट चेंज'' विषय पर एक प्रारूप तैयार कर राजभवन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
- कुलपति महोदया द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को रिक्त पदों को भरने की स्वीकृति प्रदान कराने तथा विश्वविद्यालय में पीने के पानी की समस्या से अवगत कराया।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति द्वारा जानकारी दी गई की–

- विश्वविद्यालय द्वारा दो सत्रो में, जून तथा दिसम्बर माह में परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय में राजस्थान के तकरीबन 1.45 लाख विद्यार्थी पंजीकृत हैं, जिसके चलते ऑफलाइन परीक्षा कराया जाना ही सम्भव है। परन्तु भविष्य के लिये ऑनलाइन करने का प्रावधान सोचा जा सकता है। परीक्षा का मूल्यांकन केन्द्रीय व्यवस्था के तहत किया जायेगा तथा इसको भविष्य में ''डिजिटलाइज'' कर दिया जायेगा।
- कोविड–19 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा यू–ट्यूब एवं अन्य चैनलस के द्वारा छात्रों को स्टडी मेटेरियल पहुंचाया गया है, एवं फ्री डाउनलोडिंग की व्यवस्था की गई है। कोविड के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 50 वीडियो लेक्चर अपलोड किये गये हैं, एवं एक एप भी लांच किया गया है जिसके द्वारा घर बैठे बच्चे परीक्षा दे पायें। साथ ही स्टडी मेटेरियल ई–मेल, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया के द्वारा विद्यार्थियों को भेजा गया एवं उनसे लगातार कनेक्टिविटी रखी गई।
- विश्वविद्यालय में 15 शैक्षणिक एवं 59 अशैक्षणिक पद रिक्त हैं। शैक्षणिक पदों को भरने के लिये स्वीकृति प्राप्त हो गई है। रोस्टर की प्रक्रिया हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्ताव राजभवन अनुमति के लिये भेज दिया गया है।
- IUMS के परिपेक्ष्य में विश्वविद्यालय का अपना सर्वर होने के कारण System प्रयोग में लाया जा रहा है।
- संविधान स्तम्भ की कार्य योजना के संबंध में कमेटी बना दी गई है, तथा राजभवन से निर्देश प्राप्त कर उसे लागू किया जा रहा है।
- राजभवन में विश्वविद्यालय पार्क के लिये एक कमेटी का गठन कर दिया गया है। राजस्थान की एक ''इन्टीग्रेटेड थीम'' को लेते हुए हाड़ौती, मेवाड़ी, मरूप्रदेश की झांकियों को सम्मिलित किया जाकर इन पर एक यूनिक आईट्म को प्रस्तुत किया जायेगा तथा माननीय कुलाधिपति महोदय के निर्देशन में इसे और बेहतर बनाने का प्रयास किया जायेगा।

- दो गांवों को गोद लिया है। कोविड के दौरान गांवों में नियमित रूप से कार्य किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार के रूप में पोर्टल बनाया गया है एवं अगर कोई अन्य विश्वविद्यालय पोर्टल को बनाना चाहे तो उनका खुला विश्वविद्यालय पोर्टल को बनाने में निःशुल्क सहयोग करेगा।

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

कुलपति द्वारा बताया गया कि–

- विश्वविद्यालय द्वारा ऑफलाइन परीक्षाएं कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा तीन घण्टे के स्थान पर दो घंटे में ली जायेगी, तथा साथ ही परीक्षा में तीन पार्ट में से प्रथम व द्वितीय पार्ट रखा गया है एवं तृतीय पार्ट को हटा दिया गया है। प्रश्न पत्र इस तरीके से बनाये गये हैं कि विद्यार्थी 2 घण्टे में प्रश्न पत्र को हल कर सके।
- विश्वविद्यालय में 4 संघटक कॉलेज हैं जिनमे 27000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। 181 संबद्ध कॉलेज हैं जिनमें 1.80 लाख विद्यार्थी है।
- विश्वविद्यालय में 63 शैक्षणिक पद एवं 178 अशैक्षणिक पद रिक्त हैं। विश्वविद्यालय द्वारा नॉन टीचिंग के 141 पदों की अनुमति के लिये राज्य सरकार को पत्र लिखा गया है। राज्य सरकार से अनुमति आने पर राजभवन से अनुमति प्राप्त करली जायेगी।
- विश्वविद्यालय में 1391 केवी के सोलर पैनल लगा रखे हैं, तथा बिजली उत्पादित कर विश्वविद्यालय द्वारा हर माह पांच लाख रूपये की बचत कि जा रही है।
- विश्वविद्यालय को अनुदान के रूप में RUSA के तहत 50 करोड़ रूपये मिले हैं जिनमें से 15 करोड़ रूपये से कैरियर हब और उद्यमिता प्रकोष्ठ बनाया जाएगा तथा 35 करोड़ रूपये रिसर्च एवं विकास के कार्य के लिये काम में लिए जायेंगे, जिसके लिए कार्य योजना बना ली गई है।
- विश्वविद्यालय के पास 6 विभिन्न कॉलेज हैं जिसमें 516 पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं तथा इन विषम परिस्थितियों में भी अधिकांश कोर्स पूर्ण कर लिये गये है।
- विश्वविद्यालय की मुख्य समस्या पदों की रिक्ति बताई गयी एवं माननीय कुलाधिपति महोदय से रिक्त पदों को भरने हेतु समुचित प्रयास किये जाने का आग्रह किया।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

कुलपति महोदय द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय अवगत कराया गया कि–

- वर्तमान स्थिति में ऑफलाइन मोड पर परीक्षा कराई जा रही है तथा मूल्यांकन शिक्षकों द्वारा उनके निवास स्थान पर किया जाकर प्राप्त अंको को ऑनलाइन फीड किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन अध्यापन, सर्वश्रेष्ठ व्याख्यान को चुनकर उनका क्वालिटी चेक कर प्रसारित किये जाते है।
- संविधान स्तम्भ हेतु बजट आवंटित कर दिया गया हैं, एवं विश्वविद्यालय पार्क बनाने हेतु कमेटी गठित कर दी गई है।
- विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन की सुरक्षा एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने हेतु आधुनिक RFID तकनीक विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन परिसर में विश्वविद्यालय द्वारा लगाई जा रही है।
- विश्वविद्यालय में 166 रिक्त पदों को भरने हेतु आग्रह किया गया।

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

कुलपति महोदय द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय अवगत कराया गया कि—

- विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य ऑनलाइन किया जाकर अधिकतर कक्षाओं का कोर्स पूरा किया जा चुका है।
- स्नातक स्तर पर आफॅलाइन एवं स्नातकोत्तर एवं पीएचडी हेतु आनॅलाइन परीक्षा कराये जाने का निर्णय लिया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा OSES के माध्यम से मूल्यांकन किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय में लगभग 70 प्रतिशत पद रिक्त है, इस दिशा में यथा निर्देशित कर पदों को भरने के लिए निवेदन किया गया है।
- संविधान उद्यान के लिए जगह चिन्हित कर ली गई है।
- IUMS के अंन्तर्गत विश्वविद्यालय में 26 में से 16 मोड्यूल काम कर रहे हैं।
- कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को विश्वविद्यालय स्तर पर किये जा रहे कुछ प्रमुख कार्य जैसे पशु पालकों के लिए आनॅलाइन चिकित्सीय कार्य, वेबिनार्स का आयोजन एवं गोद लिए गांव में कोविड–19 की परिस्थितियों में किये गये कार्यो की जानकारी दी गई।

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

कुलपति महोदय द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को विश्वविद्यालय में अध्ययन, अध्यापन, परीक्षा एवं प्रवेश की विस्तृत जानकारी दी गई एवं अवगत कराया गया कि—

- विश्वविद्यालय में प्रमुख रूप से रिक्त पदों की समस्या है, तथा उसे तुरन्त भरे जाने के लिए राज्य सरकार को आग्रह किया गया है।
- IUMS हेतु आनॅलाइन टेंडर किए जा चुके हैं, एवं क्रियान्वयन के लिए राजभवन की अनुमति प्रतीक्षित है।
- विश्वविद्यालय पार्क की स्थापना हेतु प्राध्यापकों द्वारा राजभवन परिसर में मिलने वाले सभी तरह के पक्षियों एवं वनस्पतियों का अध्ययन कर एवं उनकी "बायोलॉजिकल" जानकारी प्राप्त कर एक स्तम्भ के रूप में राजभवन परिसर में लगाया जाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि–

- आनॅलाइन माध्यम से अध्यापन का कार्य किया जाएगा एवं 15 जुलाई 2020 से ऑफलाइन मोड में परीक्षा ली जाएगी तथा विश्वविद्यालय द्वारा "जोइंट एनट्रेन्स टेस्ट" (JET) के अंतर्गत प्राप्त 28,307 आवेदन राज्य के 6 बड़े शहरों में 2 अगस्त को करवाकर 7 सितबंर से नए प्रवेश आरंभ कर दिये जाएंगें।
- विश्वविद्यालय को 52 पद वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत कर दिये गये है जिसकी रोस्टर प्रणाली के अंतर्गत स्वीकृति कार्मिक विभाग से मिलनी शेष है।
- IUMS हेतु राजभवन के निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है।
- राजभवन परिसर में स्थापित किये जाने वाले विश्वविद्यालय पार्क में अत्याधुनिक Hydroponic Model स्थापित किया जायेगा।

राज ऋषि भर्तृहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि–

- परीक्षा ऑफलाइन एवं मूल्यांकन OMR based कराई जा रही है।
- विश्वविद्यालय में कोई भी प्राध्यापक नियुक्त नहीं किया गया है।
- विश्वविद्यालय को एक इकाई मानते हुए शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों को रोस्टर द्वारा भरे जाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।
- विश्वविद्यालय में संविधान उद्यान हेतु भूमि चिन्हित कर ली गई है।
- राजभवन परिसर में स्थापित किए जाने वाले मॉडल के लिए भर्तृहरी जी का "पेनोरोमिक मॉडल" मय उनकी शिक्षा एवं जीवनी का प्रस्ताव राजभवन को प्रेषित कर अनुमति के पश्चात् बनाया जाना निश्चित किया गया है।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर

कुलपति महोदय द्वारा जानकारी दी गई कि–

- विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 16 जुलाई 2020 से प्रारम्भ करवा दी जाएंगी एवं परीक्षा केन्द्रों के लिए कोविड–19 के अंतर्गत सभी जरूरी इंतजाम कर लिए गए है।
- परीक्षा मूल्यांकन के लिए शिक्षकों को उत्तरपुस्तिकाएं उनके निवास स्थान पर भेजकर जॉच कराई जाएंगी।
- विश्वविद्यालय को 25 पद शैक्षणिक एवं 42 पद अशैक्षणिक स्वीकृत किए गए जो कि रोस्टर प्रणाली द्वारा स्वीकृत होने के पश्चात भरे जाएंगे।
- विश्वविद्यालय में IUMS अभी लागू नहीं किया गया है।
- संविधान उद्यान के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है।
- विश्वविद्यालय पार्क का 3–D मॉडल राजभवन में स्थापित किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय द्वारा 5 विभाग स्थापित किए जा चुके है तथा यू.जी.सी. से 12 B के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराया जाना शेष है।
- विश्वविद्यालय द्वारा अनूठा प्रयोग करते हुए एक FM Radio Channel स्थापित किया गया है।

गोविंद गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाडा

एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी देते हुए कुलपति महोदय द्वारा बताया गया कि–

- विश्वविद्यालय में परीक्षाएं केवल एक सत्र में ली जाकर 15 जुलाई 2020 से प्रारम्भ की जाएगी। सभी परीक्षा केन्द्रों से कोविड गाइडलाइन के अंतर्गत शपथ पत्र प्राप्त कर लिया गया है, तथा मूल्यांकन से प्राप्त अंकों को ऑनलाइन फीड करवाकर परीक्षाओं के परिणाम जल्दी घोषित कर दिए जाएंगें।
- प्रवेश का कार्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालय में ऑनलाइन किया जाना प्रस्तावित है।
- रोस्टर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् स्वीकृत रिक्त पद भर लिए जाएंगे।
- संविधान उद्यान के लिए नए विश्वविद्यालय परिसर में भूमि चिन्हित कर ली गयी है।

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

कुलपति द्वारा अध्ययन–अध्यापन के बारे मे जानकारी देते हुए माननीय कुलाधिपति महोदय को यह अवगत कराया कि–

- विश्वविद्यालय में लगभग 402 पद रिक्त हैं जिनकी स्वीकृति राज्य सरकार के स्तर से आनी शेष है, अतः अध्यापन एवं अनुसंधानिक विकास हेतु रिक्त पदों का भरा जाना अति–आवश्यक है।
- संविधान उद्यान हेतु विश्वविद्यालय परिसर में भूमि चिन्हित कर ली गई है, एवं राजभवन द्वारा प्रेषित दिशा निर्देश के अनुरूप निर्माण करवा लिया जाएगा।
- राजभवन परिसर में स्थापित किए जाने वाले पार्क में विश्वविद्यालय द्वारा खजूर, खेजड़ी एवं अन्य मरूस्थलीय पौधें लगाया जाना प्रस्तावित है।

कुलपति द्वारा इस वर्ष छात्र संघ के चुनाव नहीं करवाने एवं वेबसाइट को Biligual किये जाने की बात रखी गई।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर

कुलपति महोदय द्वारा अध्ययन अध्यापन के विषय में जानकारी देते हुए बताया गया कि–

- विश्वविद्यालय में सभी सेमेस्टर्स के परिणाम घोषित कर दिये गये है एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों को प्रोविजनल प्रमोशन दे दिया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा "अंडरग्राउण्ड वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम" लगाया जाना, "सोलर पैनल" लगाया जाना एवं "सोशल रेस्पोंस्बिलिटी सेल" का खोला जाना प्रमुख है।
- रिक्त पदों के संबंध में सम्बद्ध महाविद्यालयों में राज्य सरकार द्वारा "सेल्फ फाईनेंस" के अंतर्गत पदों को भरने के निर्देशों के संबंध में निवेदन किया गया की यह सभी पद "सेल्फ फाईनेन्स" स्कीम में ना होकर अन्य विश्वविद्यालयों के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा भरे जाने चाहिये।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को जानकारी प्रेषित की गई–

- 11 जुलाई 2020 को ऑफलाइन मोड में परीक्षा प्रारम्भ कर अगस्त माह में परिणाम घोषित किए जाएंगे।
- रिक्त 300 पदों के लिए रोस्टर तैयार किया जा रहा है।
- राजभवन में स्थापित किए जाने वाले विश्वविद्यालय पार्क के सन्दर्भ में पश्चिमी राजस्थान में पानी के स्त्रोत और उसके "इरिगेशन मॉडल" का "लाइव डिस्पले" अथवा चार्ट इत्यादि से दर्शाये जाने हेतु प्रस्ताव राजभवन को प्रेषित किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन बनने के साथ ही संविधान उद्यान हेतु भूमि चिन्हित कर ली जाएगी।

- विश्वविद्यालय सामाजिक सेवा के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव में प्रदत्त सेवा एवं जागरूकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट टीम्स से तकनीकी कारणों से नहीं जुड़ पाने के कारण संवाद नहीं किया जा सका। विश्वविद्यालय द्वारा एजेण्डा बिन्दुओं पर जानकारी पत्र द्वारा प्रेषित कि गई जो निम्नानुसार हैं–

- विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 21 जुलाई 2020 से परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित की जायेंगी। विश्वविद्यालय स्तर पर वर्तमान में उत्तर पुस्तिकाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन किया जा रहा है तथा आगामी सत्र में उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन कार्य की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
- कोविड–19 के कारण घोषित लॉकडाउन के पूर्व सभी परीक्षाएं आयोजित कर ली गयी थी, जिनके समस्त परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय स्तर पर जारी कर दिये गये हैं तथा पुनर्मूल्यांकन का कार्य एवं परीक्षा परिणाम प्रक्रियाधीन है।
- आगामी सत्र में स्नातक स्तर के "प्रवेश नीट–2020" एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश AIIPGET द्वारा प्रवेश परीक्षा की वरीयता के आधार पर स्टेट नीट यूजी/पीजी काउंसलिंग बोर्ड द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग सम्पन्न की जायेगी।
- कोविड–19 संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में शैक्षणिक प्रशिक्षण में समसामयिक बदलाव करते हुये विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विविध यूजी/पीजी स्तर के पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे छात्रों के ऑनलाइन प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है।
- विश्वविद्यालय में लगभग 65% पद रिक्त हैं। इनमें भर्ती हेतु राज्यपाल सचिवालय एवं शासन सचिवालय से अनुमति प्रतिक्षित है। विश्वविद्यालय में IUMS लागू किये जाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये ग्राम झालामण्ड एवं घड़ाव में नियमित रूप से ग्रामीणों को कोविड–19 से बचाव एवं नियंत्रण हेतु जागरुक किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी से बचाव हेतु 04 शोध परियोजनाएं संचालित की जा रही है जोकि माह जुलाई तक पूर्ण हो जायेंगी। इसके प्रारम्भिक परिणाम अति उत्साह पूर्ण रहे हैं। जोधपुर शहर के क्वारंटीन केन्द्र एवं कोविड केयर सेंटर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है।

सभी कुलपतियों के उद्‌बोधन के पश्चात् प्रमुख विशेषाधिकारी, राज्यपाल द्वारा "प्रजेन्टेशन" के माध्यम से संविधान उद्यान की रूप रेखा विस्तार पूर्वक बताई गयी।

श्री जयसवाल द्वारा बताया गया कि–

- संविधान उद्यान में बनाये जाने वाले संविधान स्तंभ का डिजाइन श्री अनूप बरतरिया द्वारा बनाया गया है एवं इस एक स्तंभ में Fundamental Rights, Duties एवं Preamble को समग्रता से दृशाया गया है।
- संविधान उद्यान का निर्माण एकरूपता के साथ सभी राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है।

अतः निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालयों को संविधान उद्यान एवं संविधान स्तंभ का डिजाइन व तकनीकी बारीकिया प्रेषित कर दी जाएगी तथा प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने परिसर में भूमि कि उपलब्धता को देखते हुए प्रस्तावित डिजाइन के अनुसार संविधान उद्यान का निर्माण करायेंगे।

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत संयुक्त निदेशक जनजाति विकास द्वारा फेस–II का प्रजेन्टेशन दिया जाकर, किये जा रहे कार्यो कि रिपोर्ट प्रस्तुत की गई एवं कार्य तथा मासिक रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न विश्वविद्यालयों को तीन अलग–अलग श्रेणियों में रखकर उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित किया, साथ ही महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर का कार्य उत्कृष्ट बताते हुए अन्य विश्वविद्यालयों को उसका अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया।

कुलपति हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं दूरसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा खुली चर्चा के दौरान यह सुझाव व्यक्त किया कि कुलपति संवाद में निश्चित एजेण्डा बिन्दुओं के स्थान पर सभी कुलपतियों द्वारा extampore ही चर्चा कि जाए।

प्रो. ए. के. गहलोत ने विशिष्ठ आमंत्रित सदस्य के रूप में विश्वविद्यालयों द्वारा "इनकम जनरेशन सेल" को बनाने एवं स्वयं के संसाधनों से विश्वविद्यालय के समक्ष आने वाले पेंशन आदि प्रकरणों को विश्वविद्यालय स्तर पर ही सुलझाने के सुझाव दिये।

प्रो. गहलोत द्वारा विश्वविद्यालयों को "सिवेज ट्रीटमेंट प्लांट" एवं "युनिवर्सिटी सोशियल रिस्पोंसिबिलिटी" के तहत विश्वविद्यालय माह एक गांव गोद लेने का सुझाव दिया, साथ ही IUMS विश्वविद्यालयों में लागू करने के लिए प्रस्तावित किया जिसके अन्तर्गत 10 विश्वविद्यालयों का एक समूह बनाकर किसी एक विश्वविद्यालय द्वारा टेंडर जारी किया जाकर माननीय कुलाधिपति महोदय के आदेशों के अनुसरण में IUMS आगामी सत्र से लागू किया जा सकता है।

माननीय कुलाधिपति महोदय ने समापन उद्बोधन में सभी कुलपतिगण के समक्ष यह आह्वान किया गया कि संविधान की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है और उसी क्रम में सभी विश्वविद्यालयों द्वारा अपने परिसर में संविधान स्तम्भ का निर्माण भारतीय संविधान की समग्र जानकारी देने के उद्देश्य से किया जाना चाहिए।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा रिक्त पदों एवं पेंशन प्रकरण पर कुलपतियों द्वारा ध्यान आकर्षित करने के बारे में चर्चा करते हुए शीघ्र ही अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त से इस विषय पर चर्चा कर समुचित समाधान ढूंढने कि बात कही।

माननीय कुलाधिपति महोदय का मानना था कि विश्वविद्यालय क्रमशः प्रगति कर रहे हैं, परंतु अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर NIRF रेंकिग में राजस्थान वित्त पोषित विश्वविद्यालयों का स्थान नहीं आ पाया है, अतः इस दिशा में विश्वविद्यालयों द्वारा अधिक प्रयास किये जाने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय हेतु "चांसलर अवार्ड" के दिशा निर्देश तय किये जाने के लिए निर्देशित किया।

अंत में माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा यह अपेक्षा कि गई कि विश्वविद्यालयों की समग्र उत्कृष्टता के लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा एवं उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर आने वाली चुनौतियों का दृढ़ता एवं योजनाबद्ध तरीके से सामना करना होगा।

संवाद कार्यक्रम के अंत में सचिव, राज्यपाल के द्वारा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

Sd/-
(सुबीर कुमार)
सचिव, राज्यपाल, राजस्थान

क्रमांकः F.1(3)RB/2020/ 603 दिनांकः–27अगस्त 2020

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ प्रेषित हैः–

1. प्रमुख विशेषाधिकारी, राज्यपाल, राजभवन, जयपुर।
2. प्रो. ए. के. गहलोत, सदस्य राज्यपाल सलाहकार मण्डल, राजभवन, जयपुर।
3. समस्त कुलपतिगण, वित्त पोषित विश्वविद्यालय, राजस्थान।
4. निदेशक (जनजाति कल्याण) एवं संयुक्त सचिव, राज्यपाल, जयपुर।
5. वित्तीय सलाहकार, राज्यपाल सचिवालय, राजभवन जयपुर।
6. विशेषाधिकारी –द्वितीय (उच्च शिक्षा), राज्यपाल सचिवालय, जयपुर।
7. निजी सचिव, सचिव, राज्यपाल, राजभवन, जयपुर।
8. रक्षित पत्रावली।

विशेषाधिकारी –प्रथम
(उच्च शिक्षा),